



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 159] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 1977/चैत्र 10, 1899

No. 159] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 31, 1977/CHAITRA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

### NOTIFICATION

New Delhi, the 31st March 1977

**S O. 280(E)**—In exercise of the powers conferred by section 114 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968, namely:—

1 (1) These rules may be called Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Amendment Rules, 1977

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1977

2. In rule 5 of the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968 (hereinafter referred to as the said rules),—

(a) in sub-rule (1), for the words "either a treasury challan or a Central Excise Revenue Stamp" the words, letters and figure "a copy of TR-6" shall be substituted,

(b) in clause (i) of sub-rule (2) and clause (ii) of sub-rule (3) for the words "treasury challan", the words, letters and figure "copy of TR-6" shall be substituted

3. In rule 16 of the said rules, in sub-rule (2), for the words "treasury challan or Central Excise Revenue Stamp", the words, letters and figure "copy of TR-6" shall be substituted

4. In the Appendix to the said rules,—

(a) in Form No. G.S. 4, in item 3, for the words "treasury challan/Central Excise Revenue Stamp", the words, letters and figure "copy of TR-6", shall be substituted;

(b) in item 4 in Form No. GS 5, in item 4 in Form No. G.S. 6 and in item 4 in Form No. GS 6A, for the words "treasury challan" the words, letters and figure "copy of TR-6" shall be substituted,

(c) in Form No. G.S. 18, for item 5, the following item shall be substituted, namely:—

"5. I/We have paid the prescribed fee of Rs.....(Rupees. ....) in the ..... at ... under TR. 6 No ..... a copy of which is attached";

(d) in Form No. G.S. 19, for item 6, the following item shall be substituted, namely:—

"6. I/We have paid the prescribed fee of Rs..... (Rupees ..... ) in the ..... at ... under TR-6 No ..... a copy of which is attached."

[No. 1/77/F. No 131/6/77-GC. II]

M. A. RANGASWAMY, Addl. Secy.

### राजस्व और बेकिंग विभाग

#### अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1977

का० घ्रा० 280(अ).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 114 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियंत्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम स्वर्ण नियंत्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1977 से प्रवृत्त होंगे।

2. स्वर्ण, नियंत्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 5 में,—

(क) उपनियम, (1) में, "खजाना चालान या केन्द्रीय उत्पाद राजस्व स्टाम्प" शब्दों के स्थान पर "ख० नि० 6 की एक प्रति" अक्षर, अंक और शब्द रखे जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) के खण्ड (ii) और उपनियम (3) के खण्ड (ii) में, "खजाना चालान" शब्दों के स्थान पर "ख० नि०-6 की एक प्रति" अक्षर, अंक और शब्द रखे जाएंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 16 में, उपनियम (2) में "खजाना, चालान या केन्द्रीय उत्पाद राजस्व स्टाम्प" शब्दों के स्थान पर "ख० नि० 6 की एक प्रति" अक्षर, अंक और शब्द रखे जाएंगे।

4. उक्त नियमों के परिशिष्ट में, —

- (क) प्ररूप स्व० श्रु० सं० 4 में, मद 3 में "खजाना चालान/केन्द्रीय उत्पाद राजस्व स्टाम्प" शब्दों के स्थान पर "ख० नि० 6 की प्रति" अक्षर, अक और शब्द रखे जाएंगे ;
- (ख) प्ररूप स्व० श्रु० सं० 5 में मद 4 में, प्ररूप स्व० श्रु० सं० 6 में मद 4 में और प्ररूप स्व० श्रु० सं० 6 में मद 4 में "खजाना चालान" शब्दों के स्थान पर "ख० नि० 6 की प्रति" अक्षर, अक और शब्द रखे जाएंगे ;
- (ग) प्ररूप स्व० श्रु० सं० 18 में, मद 5 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात्—
5. मैंने, हमने ..... रु० ( ..... रुपए ) का विहित शुल्क ..... स्थित ..... में ख० नि० -6 सं० ..... के अधीन जिसकी एक प्रति संलग्न है अदा कर दिया है ।" ;
- (घ) प्ररूप स्व० श्रु० सं० ..... में, मद 6 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात्—
- "6 मैंने, हमने ..... रु० ( ..... रुपए ) का विहित शुल्क ..... स्थित ..... में ख० नि० 6 सं० ..... के अधीन जिसकी एक प्रति संलग्न है, अदा कर दिया है ।" ;

[स० 1/77/फा० सं० 131/6/77 स्व० नि० II]

एम० ए० रंगास्वामी, अपर सचिव ।

100-17072  
1A 3 78

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

